खबर संक्षेप

पथरिया तहसील में प्रगणक भीकम सिंह ने पांच दिनों में 281 घरों का सर्वे पूरा किया

दमोह। जिले की पथरिया तहसील में सर्वे कार्य में उल्लेखनीय उपलब्धि सामने आई है। प्रगणक भीकम सिंह ने मात्र पांच दिनों के भीतर आवंटित 02 एचएलबी रामपुर (117) और सगोनी कला (122) में कुल 281 घरों का सर्वे एवं मकान सूचीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। इस कार्य को ग्रामीण क्षेत्र में पूरी दक्षता और जिम्मेदारी के साथ अंजाम दिया गया। सीमित समय में इतनी बड़ी संख्या में घरों का सर्वे पूरा करना प्रशासनिक कार्यों में एक सराहनीय उदाहरण माना जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए तहसीलदार पथरिया दीपा चतुर्वेदी ने बताया कि प्रगणक द्वारा किए गए इस कार्य से सर्वे प्रक्रिया को गति मिली है और आगामी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी सहूलियत होगी।

कलेक्टर नें जिला अस्पताल के उन्नयन का प्रस्ताव शासन को भेजा

दमोह। जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होने बताया जिला चिकित्सालय दमोह को 300 बिस्तर से बढ़ाकर 500 बिस्तरीय अस्पताल में उन्नयन करने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होने बताया मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन और अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग को अवगत कराया गया कि उनके निर्देश पर प्रस्ताव भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि कलेक्टर श्री यादव द्वारा जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय दमोह द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में संचालित 300 बिस्तरीय अस्पताल में प्रतिदिन 350 से 400 मरीज भर्ती रहते है। इसके अतिरिक्त प्रतिमाह औसतन 600 से 700 प्रसव एवं प्रतिदिन लगभग 700 से 800 ओ.पी.डी. मरीजों का उपचार किया जा रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पताल में बिस्तरों एवं मानव संसाधन की कमी महसूस की जा रही है। जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाब बढ़ रहा है। जिला चिकित्सालय परिसर में 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। साथ ही जिले में नवीन मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी अंतिम चरण में है, जिसके प्रारंभ होने पर प्रारंभिक तौर पर जिला चिकित्सालय से ही इसकी संबंद्धता रहेगी।

कछुआ की चाल परिवहन से समिति प्रबंधक चिंता में

बे मौसम बारिश से हजारों क्विंटल गेहूं खुले आसमान में जिम्मेदार कौन परिवहन ठेकेदार मस्त

पीपुल्स प्रवक्ता प्रतिनिधि बनखेड़ी।

अनुसार जिला नर्मदा पुरम के अंतर्गत तहसील बनखेड़ी कृषि उपज मंडी में दो समिति गेहूं खरीदी का कार्य कर रहे हैं इस समय बड़े किसानों का गेहूं धड़ाधड़ एसएमएस के अनुसार आवक तेज हो गई है और बे मौसम बदल बरस रहे हैं जिससे किसान अपनी गाड़ी कमाई मजबूरन में बर्बाद होने से शासन प्रशासन सुरक्षित करने में नाकाम साबित हो रही है भले ही जिम्मेदार अधिकारी बाही बाही सुर्खियां बटोरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं शान इतने दवा खींच रही है लेकिन धरातल जमीनी स्तर पर ऐसा कुछ दिख नहीं रहा परिवहन की गति धीमी कछुआ की चाल होने से समिति प्रबंधक के हाथ पैर फूलते नजर आ रहे हैं। जैसा की मंगलवार को रात्रि में लगभग 10:00 बजे, बे मौसम बादल बरस रहे थे।

इस पीरियड में किसान एवं समिति प्रबंधक के कर्मचारियों की अफरा तफरी मच गई लेकिन उक्त खुले आसमान में गेहूं कंडी जैसा तेहरता रहा इसी बात को लेकर किसानों के एवं गेहूं खरीदी समिति प्रबंधकों के हाथ पैर फूल गए जिस बात का दिन में चर्चा का विषय बना रहा लेकिन दिन में खुले मौसम में भी परिवहन ठेकेदार द्वारा गेहूं का परिवहन नहीं कर सका। इस बात को लेकर हमारे संवाददाता ने गेहूं समिति प्रबंधक श्री राम गोपाल चौक से जी से परिवहन के संबंध में जानने की कोशिश की गई तो उन्होंने बताया कि मात्र तीन गाड़ी दी गई थी जो लोड होकर चली गई लेकिन लगभग 11000 से 20000 कुंटल माल खुले आसमान में पड़ा हुआ है उन्होंने बताया कि लगभग 40 से 50 गाड़ी माल अभी भगवान भरोसे खुले आसमान में पड़ा है लेकिन परिवहन न होने से खरीदा हुआ गेहूं खराब हो सकता है संबंधित अधिकारियों को इस बात की सूचना दी जा चुकी है। समाचार लिखे जाने तक परिवहन ठेकेदार द्वारा गाड़ियां नहीं भेजी गई हैं। गाड़ियों के संबंध में संबंधित जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा जी को अवगत कराया जा चुका था लेकिन उन्होंने गाड़ियां व्यवस्था करने की आश्वासन दिया गया है इसके बावजूद भी शाम 8:00 बजे तक किसी भी प्रकार की कृषि मंडी बनखेड़ी में गाड़ियां उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। वहीं दूसरी और हमारे संवाददाता ने वेयरहाउस संचालक सतीश शर्मा जी को परिवहन के संबंध में जानकारी दी गई लेकिन उन्होंने गाड़ियां भेजने का आश्वासन दिया गया था इसके बावजूद भी शाम 8:00 बजे तक किसी भी प्रकार की गाड़ियां उपलब्ध नहीं कराई गई है जिस समिति प्रबंधक द्वारा खरीदा हुआ गेहूं एवं किसानों का खुले आसमान में पड़ा गेहूं बारिश में खराब होता है तो किसके ऊपर ठीकरा फूटेगा यह बात तो किसी से छुपी नहीं है।

रेत, गिट्टी और बोल्डर के अवैध परिवहन में संलिप्त तीन वाहनों को किया जप्त

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार को खनिज विभाग द्वारा खनिज अमले के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। खनिज अमले द्वारा गौण खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों पर कार्यवाही करते हुए उन वाहनों को जप्त कर समीपस्थ पुलिस थानों की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। खनिज प्रशासन उप संचालक एवं खनि निरीक्षक बैतूल द्वारा खनिज अमले के साथ मुलताई क्षेत्रांतर्गत ग्राम परमंडल के पास से खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 0625 को जप्त कर पुलिस थाना सांईखेड़ा की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है।

वहीं, बैतूल क्षेत्रांतर्गत बैतूल बाजार के पास से खनिज बोल्डर के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन डम्पर क्रमांक एमएच 12 डब्ल्यूजे 9371 को जप्त कर पुलिस थाना बैतूल बाजार की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। इसके अलावा चक्कर रोड कमानी गेट के पास से खनिज रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन डम्पर क्रमांक एमपी 28 एच 2414 को जप्त कर पुलिस थाना गंज बैतूल की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। उपरोक्त अवैध परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर प्रकरणों को न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है।

कुपोषण, शिशु व मातृ मृत्यु दर पर संयुक्त बैठक संपन्न

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

कलेक्टर के निर्देशानुसार शासकीय कन्या शाला गंज में महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में कुपोषण, शिशु मृत्यु दर (IMR) और मातृ मृत्यु दर (MMR) में कमी लाने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम अधिकारी ने गंभीर कुपोषित बच्चों के नियमित फॉलोअप, स्वास्थ्य जांच, दवा वितरण और पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही एनीमिया रोकथाम और गर्भवती महिलाओं को आयरन-फोलिक एसिड (IFA) टैबलेट का सेवन सुनिश्चित कराने पर बल दिया। परियोजना अधिकारी निरंजन सिंह डोडवे ने आशा, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के समन्वय से पोषण प्रबंधन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग ने नियमित वृद्धि निगरानी, पूरक पोषण आहार एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीयन, टीकाकरण, स्तनपान जागरूकता, एनीमिया की पहचान एवं हाई-रिस्क गर्भावस्था की निगरानी पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। साथ ही टीबी स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए सुमन सुखी व्हाट्सएप चैटबोट की जानकारी भी साझा की गई।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 20 खंडपीठें गठित

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुभाष सोलंकी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह के कुशल मार्गदर्शन में 09 मई को जिला मुख्यालय दमोह, तहसील हटा एवं तेंदूखेड़ा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा, जिसमें न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य दांडिक, सिविल, चैक अनादरण, वाहन दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, वैवाहिक मामले, विद्युत से संबंधित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामा के आधार पर निराकरण किया जावेगा।

साथ ही उक्त नेशनल लोक अदालत के माध्यम से बैंक ऋण वसूली, बी.एस.एन.एल., विद्युत एवं नगर पालिका से संबंधित प्रिं-लिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण किया जावेगा। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, दमोह द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रधान जिला न्यायाधीश के दमोह एवं तहसील हटा व तेंदूखेड़ा हेतु कुल 20 खण्डपीठों का गठन किया गया है,जो पक्षकारों को सुलह, समझाईश से प्रकरण का निराकरण कराये जाने का प्रयास करेगी। साथ ही आपने बताया कि नेशनल लोक अदालत हेतु नगरीय विकास विभाग, विद्युत विभाग, बैंकों एवं बी.एस.एन.एल. द्वारा वसूली से संबंधित प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों में नियमानुसार छूट प्रदान की जा रही है।

जनपद आमला में योजनाओं की समीक्षा, कलेक्टर के सख्त निर्देश

पीपुल्स प्रवक्ता आमला।

डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने जनपद पंचायत आमला में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल समस्या के त्वरित समाधान पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी ग्राम में पानी की समस्या लंबित नहीं रहनी चाहिए और शिकायत मिलने पर अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर निराकरण करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने माह अंत तक न्यूनतम 60 प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। लक्ष्य पूरा नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। साथ ही जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने, सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं शीघ्र पूर्ण करने और आमला की दीर्घकालिक पेयजल व्यवस्था हेतु बेल नदी पर बैराज निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने को कहा।कलेक्टर ने स्वास्थ्य, कृषि, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पशुपालन और खाद्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रमिकों के पंजीयन, पेंशन प्रकरणों के निराकरण, स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा देने तथा निर्माण कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में एसडीएम शैलेंद्र बड़ोनिया, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शाहपुर में गौवंश दुर्घटना, दो की मौत चार घायल, उपचार जारी

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

जिले के शाहपुर क्षेत्र में गौवंश के साथ हुई एक गंभीर दुर्घटना सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही पशुपालन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।उप संचालक पशुपालन सुरजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान 2 पशुओं की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी, जबकि 4 गौवंश गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाए गए। घायल पशुओं का तत्काल उपचार कराया गया तथा उनके निरंतर फॉलोअप के लिए संबंधित पशु चिकित्सकों को निर्देशित किया गया है। मृत पशुओं का पोस्टमार्टम कराकर उनके सैंपल लैबोरेट्री जांच के लिए भेजे जा रहे हैं, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

घटनास्थल पर मौजूद समाजसेवियों और ग्रामीण पशुपालकों से भी चर्चा की गई तथा उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशासन द्वारा पूरे मामले पर सतत निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा, एहतियात के तौर पर डॉग स्क्वायड टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जहां संदिग्ध सामग्री के सैंपल एकत्र कर उन्हें फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री भेजा गया है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण सफल, प्रगणक प्रियांश पाठक पांच दिनों में कार्य पूर्ण कर हुए सम्मानित

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

नगर पालिका परिषद दमोह अंतर्गत संचालित जनगणना 2027 के प्रथम चरण (भवन एवं मकान सूचीकरण कार्य) में सर्किल क्रमांक HLB-225, सर्कल-36 (स्लम एरिया) का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य को प्रगणक प्रियांश पाठक द्वारा अत्यंत तत्परता, लगन एवं दक्षता के साथ मात्र 5 दिनों में पूर्ण किया जाना एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है। सीमित समय में गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन का यह उदाहरण अन्य प्रगणकों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरा है।

श्री पाठक की इस उत्कृष्ट कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें जनगणना कंट्रोल रूम, मानस भवन में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी मीना मसराम, जिला योजना एवं सांख्यिकीय अधिकारी अलका दास, मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र सिंह लोधी तथा जनगणना निदेशालय भोपाल की जिला प्रभारी मोना चौहान उपस्थित रही। नगर पालिका परिषद दमोह द्वारा श्री प्रियांश पाठक के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। तत्परता एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे जनगणना 2027 का कार्य समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके।

शिक्षा विभाग के तीन कर्मचारी 80 हजार रिश्वत लेते पकड़े

सस्पेंडेड टीचर की जांच खत्म करने और मनचाही पोस्टिंग के लिए मांगे थे पैसे

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

लोकायुक्त सागर की टीम ने सोमवार रात शिक्षा विभाग के तीन कर्मचारियों को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। यह रिश्वत एक शिक्षक की मनचाही पोस्टिंग करने और उनके खिलाफ चल रही विभागीय जांच को खत्म करने के एवज में मांगी गई थी।पीड़ित शिक्षक नवेंद्र अठ्या, जो पटेरा के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में पदस्थ थे, उन्हें सितंबर 2025 में एक विवाद के बाद निलंबित कर दिया गया था। बहाली के बाद उन्हें तेंदूखेड़ा अटैच किया गया था। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ अनिल साहू और मनोज श्रीवास्तव ने उनसे पदस्थापना में संशोधन करने और जांच समाप्त करने के नाम पर एक लाख रुपए की मांग की थी, जिसमें सौदा 80 हजार रुपए में तय हुआ।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास बिछाया जाल: आरोपियों को पकड़वाने के लिए नवेंद्र ने 13 अप्रैल को लोकायुक्त सागर में शिकायत की थी। योजना के अनुसार, सोमवार रात करीब 9 बजे शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने मुख्य सड़क पर जैसे ही अनिल साहू ने रिश्वत की राशि ली, लोकायुक्त टीम ने उसे पकड़ लिया। बाद में इस साजिश में शामिल लिपिक नीरज सोनी और मनोज श्रीवास्तव को भी पकड़ा गया।

लोकायुक्त निरीक्षक मंजू किरण तिर्की के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में माध्यमिक शिक्षक अनिल साहू, सहायक ग्रेड-2 मनोज कुमार श्रीवास्तव और सहायक ग्रेड-3 नीरज कुमार सोनी को हिरासत में लिया गया। इन तीनों आरोपियों को जबलपुर नाका चौकी ले जाया गया, जहां उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में लोकायुक्त निरीक्षक मंजू किरण तिर्की व निरीक्षक रंजीत सिंह, प्रधान आरक्षक सफीक खान, संतोष गोस्वामी, अजय क्षेत्रीय, आरक्षक प्रदीप दुबे आदेश तिवारी, गोल्डी पासी, राघवेंद्र, और विक्रम सिंह, नीलेश चौबे सहित लोकायुक्त सागर स्टाफ *नोट*- सागर संभाग में भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत के लिए हेल्प लाइन नंबर 8435794333 पर फ़ोन कर सकते है.और उनकी टीम के करीब 12 सदस्य शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और मामले की जांच की जा रही है।

कलेक्टर आकस्मिक रूप से पहुँचे जिला अस्पताल कहा, पहले से काफी बदलाव दिखा, समयपालन और कार्यक्षमता बढ़ाने की आवश्यकता

मरीज और परिजनो ने कलेक्टर से कहा ऐसे ही आते रहे व्यवस्था अच्छी हो गई है

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव आज प्रात: 9.30 बजे औचक रूप से जिला अस्पताल पहुँचे। उन्होने यहॉ मरीजो को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

उन्होने कहा व्यवस्थाओं में गत् निरीक्षण के बाद बदलाव दिखा पर अभी और सुधार की जरूरत है, आज कलेक्टर बिना किसी सूचना के पहुचे थे, उन्होने ओपीडी सहित वार्डों में भी जाकर देखा, इस दौरान उन्होने मरीजो और उनके परिजनो से भी फीड बैक लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कर्मचारी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन समयपालन और कार्यक्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है। कुछ चैंबर पर सुबह 9:45 बजे तक डॉक्टर नही पाए गए, उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि समय पर उपस्थित रहकर सभी मरीजों का समुचित इलाज सुनिश्चित किया जाए। सिविल सर्जन ने बताया विशेषज्ञ चिकित्सक राउण्ड पर है, उसके बाद ओपीडी में मरीज देखते है। उन्होने कहा, निरीक्षण के दौरान एक मरीज मिला जिन्हें एक दिन पहले भी उपचार नहीं मिल पाया था। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के नियमित और पूर्ण चेकअप पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं जिससे 100त्न जांच समय पर हो सके। कलेक्टर श्री यादव ने बताया कि अस्पताल के सुरक्षा गार्डों को पिछले 5 महीनों से वेतन नहीं मिला है, वहीं सफाई और लॉन्ड्री सेवाओं के लिए भी 5-6 महीनों से बजट जारी नहीं हुआ है। इस संबंध में कमिश्नर स्वास्थ्य से चर्चा की गई, जिन्होंने जल्द समाधान का आश्वासन दिया है ताकि सभी सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। उन्होने कहा सार्थक ऐप के माध्यम से कर्मचारियों की उपस्थिति की समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर ने सिविल सर्जन से उपस्थिति रिपोर्ट मांगी है और चेतावनी दी है कि लगातार अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के वेतन में कटौती की जाएगी। उन्होने कहा, अस्पताल में बेड की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए शासन को पत्र भेजा गया है। विभिन्न वार्डों में वास्तविक बेड संख्या की जानकारी मांगी गई है। सिविल सर्जन को निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि बेड संख्या बढ़ाकर मरीजों को बेहतर सुविधा दी जा सके।

कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार की जरूरत बताई। डॉक्टरों का समय पर उपस्थिति और स्टाफ के बेहतर व्यवहार पर जोर दिया। उन्होने कहा कुछ कर्मचारियों को 5 महीने से वेतन नहीं मिला है।

झापन घाट पुल पर संकट बरकरार: फाइनेंशियल ओपनिंग बाकी, काम शुरू नहीं

पीपुल्स प्रवक्ता तेंदूखेड़ा।

नगर से लगभग 22 किलोमीटर दूर सागर मार्ग पर स्थित झापन घाट पुल क्षेत्र में पिछले कई महीनों से आवागमन की गंभीर समस्या बनी हुई है। 30 जुलाई 2025 को हुई अतिवृष्टि के दौरान ब्यारमा नदी पर बने इस पुल का स्लैब बह जाने से स्टेट हाईवे 21 पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था।

घटना के कई माह बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक पुल के स्थायी निर्माण को लेकर जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य शुरू नहीं हो सका है, जिससे क्षेत्रीय जनता में गहरा आक्रोश व्याप्त है। यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी मार्ग से झलौन, सर्रा, भैंसा, सारसबागली, तारादेही, ससनाकला, सेहरी, मगदुपुरा, पुरा, बैरागढ़, हिनोती सहित सैकड़ों गांवों का सीधा संपर्क जुड़ा हुआ है। साथ ही यह झलौन-सागर मार्ग होते हुए रहली और जबलपुर जाने वाले यात्रियों के लिए भी प्रमुख एवं सुगम मार्ग है, जिससे न केवल दूरी बल्कि समय की भी बचत होती है। पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद स्थानीय बस संचालकों एवं ग्रामीणों द्वारा जेसीबी और ट्रैक्टर की सहायता से अस्थायी मार्ग तैयार किया गया है, जिससे किसी तरह आवागमन जारी है। हालांकि यह मार्ग पूरी तरह अस्थायी है और आगामी बारिश में इसके बह जाने की प्रबल आशंका जताई जा रही है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा इस स्थान पर लगभग 4.30 करोड़ रुपये की लागत से डायवर्सन मार्ग एवं छोटे पुल निर्माण हेतु टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा अब वित्तीय ओपनिंग की प्रक्रिया शेष है। इसके बाद ही एजेंसी का चयन किया जाएगा और कार्य प्रारंभ हो सकेगा। स्थानीय नागरिकों मुकेश जैन, रमेश आदिवासी, गोरेलाल राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र साहू ,द्वारका यादव का कहना है कि बार-बार टेंडर और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी काम में अनावश्यक देरी हो रही है, जबकि क्षेत्रीय जनता लंबे समय से आवागमन की गंभीर समस्या से जूझ रही है। लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी पुल निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न न हो।